RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 158 | THURSDAY 18-06-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

गुस्ताखी माफ

मांगें पूरी करेंगे, है अपना इकरार।
पर जायज हैं या नहीं, देखेगी सरकार।
देखेगी सरकार, अगर जायज-नाजायज।
नाजायज ही लगे, लगे ना कोई जायज।
कह साहिल कविराय, रहेंगी नहीं अधूरी।
जायज जो भी लगीं, करेंगे मांगें पूरी।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

मल्हार रोड की जादुई जमीन: हर बार बिकने के बाद मौके पर बढ़ गई जमीन

सूए की सरकारी जमीन पर कब्जे का मामले में नए नए खुलासे

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। लुधियाना में एक ऐसी जमीन हैं, जो बेचने के बावजूद कम होने की जगह लगातार बढ़ती गई। इस अदभुत जमीन के बारे में सुनकर सभी एक बार जरुर सोच में पड़ गए। लेकिन फिर असलियत सामने आई। दरअसल, शहर की पॉश सड़क मल्हार रोड पर हीरो बेकरी के एकदम साथ मक्खन सिंह और सरुप कौर नामक भाई-बहन ने जमीन खरीदी। जमीन तो 725 गज थी। जिसमें से कुछ हिस्सा दो अलग-अलग लोगों को आगे बेच भी दिया। मगर फिर भी वे जमीन कम होने की जगह 1140 गज बन गई। दरअसल, उक्त भाई-बहन द्वारा सरकारी सुए की जमीन पर ही कब्जा कर लिया गया। भाई-बहन द्वारा निगम अफसरों के साथ मिलकर इस तरीके का नया गणित निकाला है कि वे आम जनता की सोच व समझ से एकदम परे हैं। अब उसी जमीन को सरुप कौर के रिश्तेदारों द्वारा रॉयलिस्टा कंपनी को बेच दिया गया। जहां पर कंपनी द्वारा द लग्जरियस सेंट्रम बाय रॉयलिस्टा नामक कमर्शियल प्रोजेक्ट लाया जा रहा है। चर्चा है कि सरकारी सुए की जमीन होने के बावजूद निगम द्वारा उक्त बिल्डिंग का नक्शा पास कर दिया गया। अब जमीन मालिक जमीन को लीगल बता करे हैं, अगर वे जमीन लीगल है, तो हीरो बेकरी इललीगल होने की बात कह क्यों सील की गई थी।

सरकारी जमीन पर बनाया जा रहा कमर्शियल प्रोजेक्ट

पखोवाल रोड की तरफ खुली दुकाने

Survey Plan for Plot at Sat Paul Mittal Road Dated 21-08-2025

प्रोजेक्ट में 36 फीट जमीन छोड़ना जरुरी

बता दें कि नगर निगम द्वारा पंजाब कैबिनेट को मत्ते में खुद लिखित में अंडरटेकिंग दी थी कि मल्हार रोड पर सड़क के अलावा 16 फीट सरकारी जमीन छोड़कर निर्माण किए जाएंगे। निगम 16 फीट तक कोई निर्माण नहीं होने देगा। वहीं कमर्शियल प्रोजेक्ट में 20 फीट पार्किंग के लिए स्पेस छोड़ना जरुरी, नहीं तो बेसमेंट बनाना जरुरी है। अब ऐसे में हीरो बेकरी के पास 91.7 फीट सड़क की चौड़ाई है। उसके बाद 16 फीट और 20 फीट यानि कि 36 फीट जमीन छोड़कर उक्त कमर्शियल प्रोजेक्ट बनाया जा सकता है। लेकिन मौके पर स्थिति कुछ और ही नजर आ रही है।

कंस्ट्रक्शन से पहले निर्माण तोड़ना जरुरी

चर्चा है कि अगर एक जमीन को दूसरा व्यक्ति खरीदता है, तो नियम होता है कि पहले उसे पुराने निर्माण को गिराना पड़ेगा। जिसके बाद नक्शा पास होता है। उक्त कमर्शियल प्रोजेक्ट मालिक ने जमीन खरीदी और वे जमीन मल्हार रोड और पक्खोवाल रोड दो तरफ लगती है। जमीन में पक्खोवाल रोड की तरफ पहले ही दुकानें बनी थी। मगर प्रोजेक्ट मालिक ने उन दुकानों को तोड़े बिना सीधा उसमें अपना कारोबार करना शुरू कर दिया। हैरानी की बात तो यह है कि निगम ने भी बिना देखे नक्शा पास कर दिया।

जाचं कर लेंगे एक्शन

निगम कमिश्नर ओजस्वी ने कहा कि यह

मामला उनके ध्यान में नहीं था। वीरवार को ही संबंधित अधिकारियों से जानकारी हासिल की जाएगी। अगर अवैध निर्माण हुआ तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

725 गज में से 02 लोगों को जमीन बेचकर भी 1140 गज बची

चर्चा है कि मक्खन सिंह और सरुप कौर के पास अपनी 725 गज जमीन थी। जिसमें से कुछ हिस्सा हीरो बेकरी को बेच दिया, जबकि कुछ हिस्सा मेडिकल स्टोर मालिक को बेचा गया। इस मुताबिक सरुप कौर के पास 680 गज जमीन बची थी। लेकिन जब जमीन की जांच हुई तो पता चला कि सरुप कौर के पास 1140 गज जमीन का कब्जा है। हैरानी की बात तो यह है कि जमीन बेचने पर भी वे बढ़ कैसे गई।

पहले भी इललीगल चलाया जा रहा था शोरुम

वहीं चर्चा है कि उक्त रॉयलिस्टा फर्म का मल्हार रोड पर ही एक शोरुम था। जिसकी बेसमेंट को पार्किंग बताकर नक्शा पास कराया गया था। लेकिन फिर फर्म मालिक ने बेसमेंट में अपने दूसरे ब्रांच सिल्वर मोड का शोरुम शुरू कर दिया। हैरानी की बात तो यह है कि निगम ने भी कभी उक्त मामले में एक्शन नहीं किया। सालों तक यह इललीगल एक्टिविटी चलती रही।

विजिलेंस के पास मामला विचाराधीन

बता दें कि इस सड़क पर हुए घोटाले की जांच विजिलेंस द्वारा की जा रही है। विजिलेंस ने ही सड़क की लेजर मेजरमेंट करवाकर खुलासा किया था कि चौड़ाई 91.7 फीट है। विजिलेंस द्वारा लगातार मामले की जांच की जा रही है।

कई बिल्डिंग मालिकों ने किए सरकारी जमीन पर कब्जे

चर्चा है कि मल्हार रोड पर गुरदेव नगर की साइड सुआ था। जहां पर अलग अलग बिल्डिंग मालिकों ने सुए की जमीन पर कब्जे करके उसे अपनी प्रॉपर्टी में मिला लिया। फिरोजपुर रोड से मल्हार रोड 120 फीट चौड़ी है। लेकिन सिटी मॉल से लेकर हीरो बेकरी तक लगातार सड़क की चौड़ाई कम होती गई। हीरो बेकरी के पास सड़क 91.7 फीट रह गई। यानि कि 29 फीट तक सड़क पर कब्जा है। इसी के तहत उक्त कमर्शियल प्रोजेक्ट की जमीन की पुरानी मालकिन सरुप कौर ने भी सुए की जमीन पर कब्जा कर रखा था। वहीं जमीन फिर आगे बेच दी।

चंडीगढ़ में ओला की टैक्सी, ऑटो और बाइक सेवाओं पर रोक, लाइसेंस छह माह के लिए निलंबित

चंडीगढ़/यूटर्न/17 जून। चंडीगढ़ प्रशासन ने नियमों के उल्लंघन के आरोप में ओला (एएनआई टेक्नोलॉजीज) के एग्रीगेटर लाइसेंस को छह महीने के लिए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद शहर में ओला की टैक्सी, ऑटो और बाइक सेवाएं प्रभावित होंगी। प्रशासनिक अधिकारियों के

अनुसार जांच के दौरान कंपनी द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों का पालन नहीं किए जाने की बात सामने आई। साथ ही कंपनी का स्थानीय कार्यालय भी बंद पाया गया, जिसके चलते यह सख्त कदम उठाया गया। प्रशासन का कहना है कि सार्वजनिक परिवहन सेवाएं संचालित करने वाली कंपनियों के लिए सभी कानूनी और नियामकीय प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य है। लाइसेंस निलंबित होने के बाद ओला की सेवाओं का संचालन फिलहाल बंद रहेगा। प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के लिए वैकल्पिक परिवहन साधनों का उपयोग करें और केवल अधिकृत सेवाओं का ही सहारा लें। इस कार्रवाई को परिवहन क्षेत्र में नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी किसी भी कंपनी द्वारा नियमों की अनदेखी किए जाने पर इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित की जा सके।

आरएसएस का रहस्य: संगठन जो हर जगह है, पर कहीं दिखाई नहीं देता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बारे में सबसे खास बात शायद उसकी विचारधारा, उसका असर या उसका सौ साल पुराना वजूद न हो। यह कुछ और भी अजीब हो सकता है: यह बात कि यह दुनिया के सबसे बड़े वॉलंटियर संगठनों में से एक के तौर पर काम करता है, बिना किसी सोसाइटी, ट्रस्ट या कंपनी के तौर पर फॉर्मल रूप से रजिस्टर हुए। कागजी कार्रवाई, नियमों का पालन और इंस्टीट्यूशनल स्ट्रक्चर से भरे इस जमाने में, आरएसएस एक अजीब अपवाद बना हुआ है। इसके पास पारंपरिक तरीके से कोई मेंबरशिप फॉर्म नहीं है। यह सदस्यों का कोई पब्लिक रजिस्टर नहीं रखता है।

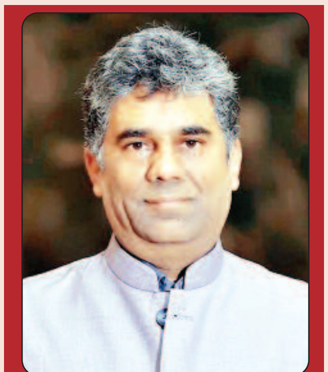
संदीप शर्मा, सम्पादक

यह शेयरहोल्डर्स वाली कॉर्पोरेशन की तरह काम नहीं करता, न ही चुने हुए ऑफिस-बेयरर्स और ऑडिटेड पब्लिक अकाउंट्स वाली पॉलिटिकल पार्टी की तरह। फिर भी इसकी रोजाना हजारों शाखाएं, नागपुर में एक बड़ा हेडक्वार्टर, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन, पब्लिकेशन और इससे जुड़े संगठनों का एक बड़ा इकोसिस्टम है।

इससे जाहिर है सवाल उठते हैं। यह खुद को कैसे चलाता है? पैसा कहाँ से आता है? इसके एसेट्स का मालिक कौन है? पारंपरिक कानूनी ढांचे के बिना कोई संगठन लगभग एक सदी तक कैसे टिका रहता है और कैसे फैलता है? इसका जवाब कुछ हद तक यह समझने में है कि आरएसएस एक मॉडर्न संस्था की तरह कम और एक जीते-जागते नेटवर्क की तरह ज्यादा काम करता है। मकड़ी के बजाय स्टारफिश एक बेहतर उदाहरण हो सकती है। मकड़ी का सिर काट दो और शरीर मर जाता है। स्टारफिश का एक हाथ काट दो और वह बच जाती है। कभी-कभी हाथ खुद ही एक और स्टारफिश बन जाता है। आरएसएस ने डीसेंट्रलाइजेशन के इस सिद्धांत को पूरी तरह से सीख लिया है। इसकी ताकत फॉर्मल स्ट्रक्चर में नहीं बल्कि सोशल रिश्तों में है। लोकल शाखाएं बहुत ज्यादा आजादी के साथ काम करती हैं। वॉलंटियर समय, मेहनत और रिसोर्स देते हैं। डोनेशन अक्सर गुरु दक्षिणा के पारंपरिक तरीके से इकट्ठा किया जाता है। कई एक्टिविटीज किसी एक सेंट्रलाइज्ड एंटिटी के बजाय कानूनी तौर पर रजिस्टर्ड ट्रस्ट, स्कूल, चैरिटी और उससे जुड़ी संस्थाओं के जरिए की जाती हैं। इससे ऑर्गनाइजेशन को बहुत ज्यादा मजबूती मिली है। सरकारों ने पहले भी आरएसएस पर बैन लगाया है। पॉलिटिकल किस्मत चमकी और गिरी है। लीडर आए और गए। फिर भी ऑर्गनाइजेशन टिका रहा। करिश्माई लोगों या सेंट्रलाइज्ड फंडिंग स्ट्रीम पर निर्भर ऑर्गनाइजेशन के उलट, आरएसएस ने खुद को कम्युनिटी और सोशल नेटवर्क में शामिल कर लिया है। इसके चाहने वाले इसे ऑर्गनाइजेशनल जीनियस का सबूत मानते हैं। उनका तर्क है कि सिर्फ.एक बहुत कमिटेड कैडर ही बिना सैलरी, पब्लिसिटी कैंपेन या जबरदस्ती के इतने बड़े एंटरप्राइज को चला सकता है। उनके लिए, आरएसएस वॉलंटियरिंग और सोशल कैपिटल की हमेशा रहने वाली ताकत दिखाता है। हालांकि, क्रिटिक्स इन्हीं खूबियों को अलग तरह से देखते हैं। उनका तर्क है कि एक कन्वेंशनल ऑर्गनाइजेशनल फ्रेमवर्क की कमी ट्रांसपेरेंसी को मुश्किल बना सकती है। जब अथॉरिटी इनफॉर्मल नेटवर्क के जरिए फैलती है तो फंडिंग, अकाउंटेबिलिटी और डिसीजन-मेकिंग से जुड़े सवालों का जवाब देना और मुश्किल हो जाता है। डेमोक्रेसी में, बिना विज़िबिलिटी के असर उतना ही असरदार हो सकता है जितना बिना अकाउंटेबिलिटी के पावर। फिर भी, कोई आरएसएस की तारीफ करे या उसका विरोध करे, एक बात को नकारा नहीं जा सकता। इसकी सफलता ऑर्गनाइजेशन कैसे काम करते हैं, इस बारे में कई सोच को चुनौती देती है। मॉडर्न मैनेजमेंट थ्योरी अक्सर फॉर्मल स्ट्रक्चर, रिपोर्टिंग लाइन और ब्यूरोक्रेटिक सिस्टम पर जोर देती है। आरएसएस कल्चर, डिसिप्लिन और पर्सनल कमिटमेंट पर भरोसा करके आगे बढ़ा है। शायद आरएसएस के मामले का यही असली सबक हो। इंस्टीट्यूशन आखिरकार बिल्डिंग, बैलेंस शीट या रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट नहीं होते। वे विश्वास की कम्युनिटी होती हैं। आरएसएस ने ऐसी कम्युनिटी बनाने में लगभग एक सदी बिताई है। नतीजा एक ऐसा संगठन है, जो कुछ मायनों में कागजों पर मुश्किल से ही मौजूद लगता है, लेकिन पब्लिक लाइफ में इसे नजरअंदाज करना नामुमकिन है। एक स्टारफि श की तरह, इसे किसी एक सेंटर से नहीं, बल्कि अनगिनत जुड़े हुए हिस्सों से ताकत मिलती है। और यह, किसी भी कॉन्स्टिट्यूशनल डॉक्यूमेंट या रजिस्ट्रेशन सर्टिफि केट से ज्यादा, इसके टिके रहने की वजह है।

IVF से जन्मीं जुड़वां बच्चियो पर विवाद गहराया: AIIMS की DNA रिपोर्ट का इंतजार, आईवीएफ संतान प्राप्त कर चुके लोग डीएनए टेस्ट की लेने लगे जानकारी

नई दिल्ली/लुधियाना/यूटर्न/17 जून। सहगल IVF इलाज के बाद पैदा हुई जुड़वां बच्चियों के जैविक रूप से माता-पिता से मेल नहीं खाने के दावे वाले मामले नए लोगों में चिंता बढ़ा दी है खास तौर पर ऐसे अभिभावकों में जिन्होंने आईवीएफ तकनीक के माध्यम से संतान प्राप्त की है हालांकि दिल्ली के युगल के मामले में अब तक अंतिम वैज्ञानिक रिपोर्ट सामने नहीं आई है। मामले में नया घटनाक्रम यह है कि AIIMS की निगरानी में लिए गए DNA सैंपलों की रिपोर्ट का इंतजार दो महीने से ज्यादा समय बाद भी जारी है। यह मामला दिल्ली-एनसीआर के राहुल राठौर और उनकी पत्नी मीनू राठौर से जुड़ा है, जिन्होंने परिवार बढ़ाने के लिए पिछले वर्ष IVF उपचार करवाया था। दंपति पहले से दो बेटियों के माता-पिता हैं। दंपति का दावा है कि जुड़वां बच्चियों के जन्म के बाद उन्हें बच्चों की शक्ल-सूरत को लेकर संदेह हुआ। इसके बाद निजी लैब से कराई गई उ्रअ जांच में कथित तौर पर दोनों बच्चियां माता-पिता से जैविक रूप से मेल नहीं खाई। इसके बाद मामला अदालत पहुंचा और पुलिस जांच शुरू हुई।

*लुधियाना में भी बढ़ी चिंता, लोगों के बीच चर्चा तेज...*इस मामले के सामने आने के बाद पंजाब के लुधियाना में भी IVF को लेकर चर्चा बढ़ गई है। शहर में कई IVF केंद्र संचालित हैं और सोशल मीडिया व स्थानीय स्तर पर लोग इस घटना को लेकर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि लुधियाना के किसी IVF केंद्र के खिलाफ इस तरह की कोई आधिकारिक शिकायत या जांच सामने नहीं आई है, लेकिन कुछ परिवारों में चिंता और मानसिक तनाव की स्थिति देखी जा रही है। कुछ लोग, जिन्होंने पहले IVF प्रक्रिया करवाई है, अब अतिरिक्त चिकित्सकीय सलाह लेने और अपनी शंकाओं को दूर करने की बात कर रहे हैं।

आईवीएफ संतान प्राप्त कर चुके लोग अब डीएनए टेस्ट की लेने लगे जानकारी

- दिल्ली के मामले के बाद आईवीएफ से संतान प्राप्त कर चुके लोग अब डीएनए टेस्ट के बारे में दिलचस्पी लेने लगे हैं बहुत से ऐसे युगल हैं जिन्होंने फैसला किया है कि वह भैया अपनी संतान के मामले में डीएनए टेस्ट कराएंगे विभिन्न शहरों में स्थित लैब में लोग डीएनए टेस्ट के बारे में पूछताछ करने लगे हैं पंजाब में भी आईवीएफ के दर्जनों सेंटर हैं जालंधर लुधियाना सहित कई अन्य शहरों में आईवीएफ के दर्जनों सेंटर है जो अपनी विज्ञापनबाजी दूसरे प्रदेशों में भी करते है लोगों में यह चर्चा है कि सरकार अथवा स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे सेंट्रो में कोई निगरानी नहीं रखी जाती जिसके चलते कई सेंटर 100% संतान प्राप्त करने के दावे करते हैं इनमें से तो कई लड़का पैदा होने की बात भी करते हैं दूसरी और दिल्ली के मामले में जांच के दौरान पुलिस ने IVF सेंटर और अस्पताल की CCTV फुटेज, मेडिकल रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेज जुटाए। अधिकारियों के मुताबिक, अप्रैल में AIIMS की मौजूदगी में बच्चों के सैंपल लेकर उन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया था। फिलहाल अंतिम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। दूसरी ओर, जांच में शामिल डॉक्टरों का कहना है कि प्रक्रिया नियमों के अनुसार की गई थी और आवश्यक सहमति ली गई थी। वहीं दंपति ने ऐसे किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया है। मामले की जांच जारी है और किसी निष्कर्ष पर अभी नहीं पहुंचा गया है।

बलटाना में अवैध निर्माणों की भरमार, पार्किंग और सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर उठे सवाल

जीरकपुर/यूटर्न/17 जून। जीरकपुर के बलटाना क्षेत्र में अवैध निमार्णों को लेकर स्थानीय लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। आरोप है कि क्षेत्र की कई कॉलोनियों में बिना पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था और सुरक्षा मानकों का पालन किए बहुमंजिला इमारतें तथा व्यावसायिक भवन बनाए जा रहे हैं। इसके चलते सड़कों पर जाम की स्थिति पैदा हो रही है और लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार एकता विहार, गोल्डन स्टेट, सैनी विहार और हेम विहार समेत कई इलाकों में ऐसे निर्माण किए जा रहे हैं, जहां पार्किंग के लिए पर्याप्त स्थान नहीं छोड़ा गया। लोगों का आरोप है कि कुछ स्थानों पर आवासीय नक्शों के आधार पर अतिरिक्त कमरे बनाकर किराये पर दिए जा रहे हैं, जिससे आबादी और वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है।

निवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ इमारतों का निर्माण हाई टेंशन बिजली लाइनों के बेहद नजदीक किया गया है। उनका कहना है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर ऐसे निमार्णों को अनुमति कैसे मिल रही है और संबंधित विभाग इन पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा।

शिकायतों के बावजूद जारी रहे निर्माण

स्थानीय लोगों का दावा है कि उन्होंने नगर परिषद अधिकारियों को कई बार शिकायतें दीं, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य नहीं रुके। उनका आरोप है कि शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई न होने के कारण अवैध निर्माण करने वालों के हौसले बुलंद हैं और वे बेखौफ होकर नियमों की अनदेखी कर रहे हैं।

अधिकारियों के दावे और जमीनी हकीकत...निवासियों का कहना है कि अधिकारी अवैध निमार्णों पर सख्ती के दावे करते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। लोगों ने क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

नगर परिषद का पक्ष नहीं मिल सका...इस संबंध में नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी परमिंदर सिंह भट्टी और संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। व्हाट्सएप संदेश भेजे जाने के बावजूद खबर लिखे जाने तक कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों की जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना और यातायात समस्या से बचा जा सके।

पेज 06 विश्व शांति, समता और भाईचारे का संदेश...

लुधियाना डीसी-निगम ऑफिस और रेलवे ट्रैक उड़ाने की धमकी, खालिस्तान नेशनल आर्मी ने भेजा ईमेल

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। बुधवार को लुधियाना डीसी ऑफिस, नगर निगम ऑफिस और रेलवे लाइन को मानव बम से उड़ाने की धमकी भरी ईमेल भेजी गई। यह ईमेल खालिस्तान नेशनल आर्मी के नाम से सीधे पुलिस कमिश्नर व सीनियर प्रशासनिक अधिकारियों को भेजी गई। मेल आने के बाद पुलिस व प्रशासन ने डीसी दफ्तर, नगर निगम दफ्तर में हर आने जाने वाले पर नजर रखनी शुरू कर दी है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की मेल पहले भी आई थी।

हालांकि तब भी कुछ नहीं निकला था। फिर भी प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। नकारी के अनुसार प्रशासन को 17 जून, 2026 को सुबह करीब 9:34 बजे मेल मिली। ईमेल भेजने वाले ने खुद को खालिस्तान नेशनल आर्मी' का सदस्य बताया है। ईमेल में बेहद आपत्तिजनक और डराने वाली बातें लिखी गई हैं।

सुरक्षा व्यवस्था की मजबूत

इस ईमेल के बाद लुधियाना मेयर दफ्तर, डीसी कॉम्प्लेक्स और रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुट गई है कि यह ईमेल कहां से जनरेट हुआ है और इसके पीछे किसी शरारती तत्व का हाथ है या वाकई कोई बड़ी साजिश रची जा रही है। लुधियाना पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की साइबर सेल टीम अब उस आईपी एड्रेस और ईमेल डोमेन को ट्रैक करने में जुट गई है, जिसके जरिए यह फर्जी ईमेल भेजा गया था।

सुरक्षा व्यवस्था की मजबूत

इस ईमेल के बाद लुधियाना मेयर दफ्तर, डीसी कॉम्प्लेक्स और रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुट गई है कि यह ईमेल कहां से जनरेट हुआ है और इसके पीछे किसी शरारती तत्व का हाथ है या वाकई कोई बड़ी साजिश रची जा रही है। लुधियाना पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की साइबर सेल टीम अब उस आईपी एड्रेस और ईमेल डोमेन को ट्रैक करने में जुट गई है, जिसके जरिए यह फर्जी ईमेल भेजा गया था।

सलेम टाबरी में सैंकड़ो लोगों ने थामा आम आदमी पार्टी का दामन

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। विधानसभा उत्तरी के अंतर्गत वार्ड नंबर 94 स्थित सलेम टाबरी में लोक मिलनी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आम आदमी पार्टी सरकार की जनहितैषी नितियो से प्रभावित होकर कांग्रेस, अकाली दल व भाजपा की विचारधारा से जुड़े परिवारों ने अपनी-अपनी पार्टिया छोड़ आप में शमिल होने की घोषणा की। विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा ने स्वागत कर उन्हें पार्टी में शामिल करवाया। बग्गा ने कहा विधानसभा उतरी क्षेत्र में करवाए गए विकास कार्यो से प्रभावित होकर प्रतिदिन लोग आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि सडकों, गलियों, खेल मैदान व पार्को सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य किए गए हैं। जिससे क्षेत्रवासियों का जीवन स्तर बेहतर हुआ है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार जनहित और विकास के एजेंडे पर कार्य कर रही है, जिसके कारण आम जनता का विश्वास लगातार पार्टी के प्रति बढ़ रहा है। पार्षद अमन बग्गा ने कहा कि वार्ड 94 में विकास कार्यो को प्राथमिकता दी गई है और भविष्य में भी लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास जारी रहेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, पार्टी कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बवेजा ब्रदर्स ने हरियाणा सीएम से की मुलाकात

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। मार्केट कमेटी लुधियाना के पूर्व चेयरमैन एवं समाजसेवी दर्शन लाल बवेजा तथा के.बी. ग्रुप के विजय बवेजा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर दर्शन लाल बवेजा और विजय बवेजा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से पंजाब और हरियाणा के बीच वर्षो से लंबित भूमि, जल तथा अन्य राजनीतिक मसलों के सौहार्दपूर्ण समाधान की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा पड़ोसी राज्य होने के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी गहरे जुड़े हुए हैं। दोनों राज्यों के बीच मित्रतापूर्ण संबंध क्षेत्रीय विकास, आर्थिक प्रगति और आपसी भाईचारे को मजबूत करने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

सीआईआई प्रतिनिधिमंडल ने नए निगम कमिश्नर का किया स्वागत, उद्योग से जुड़े मुद्दे उठाए

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। सीआईआई (कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री) लुधियाना जोनल ऑफिस के एक प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार, आईएएस से मुलाकात कर उनका स्वागत किया। उन्होंने हाल ही में नगर निगम लुधियाना के कमिश्नर का कार्यभार संभाला है। बैठक के दौरान उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों ने शहर की प्रमुख समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इनमें सड़कों के बुनियादी ढांचे में सुधार,

मानसून से पहले फोकल प्वाइंट क्षेत्रों में समय पर सीवरेज की सफाई, चिन्हित स्थानों से नियमित कचरा उठान, पक्खोवाल रोड और फोकल प्वाइंट इलाकों में रेहड़ी-फड़ी वालों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने की मांग शामिल रही। इसके अलावा श्रमिकों के आवागमन को बेहतर बनाने के लिए समराला चौक, कोहाड़ा, शेरपुर चौक, साहनेवाल और दोराहा रूट पर कनेक्टिविटी मजबूत करने की जरूरत भी उठाई गई।

नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने उद्योग जगत की चिंताओं की सराहना करते हुए सकारात्मक रुख दिखाया और सभी मुद्दों के समाधान के लिए पूर्ण सहयोग और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर गौतम ढल्ल, लोकेश जैन, राहुल और रॉबिन खुराना भी उपस्थित रहे।

डिवाइडर से टकराकर पलटी बोलेरो गाड़ी, एक की मौत

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। फिरोजपुर रोड स्थित वेरका मिल्क प्लांट के सामने हुए सड़क हादसे में युवा प्रगतिशील किसान की मौत हो गई। मृतक अपनी महिंद्रा बोलेरो पिकअप में सब्जियां लेकर मंडी की ओर जा रहा था। तेज रफ्तार वाहन अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। हादसे के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। मृतक की पहचान संदीप सिंह (27) के रूप में हुई है। संदीप किसान था और अपने खेतों में उगाई गई सब्जियां

मंडी में सप्लाई करने का काम करता था। जानकारी के अनुसार वह मंगलवार रात करीब 11 बजे फिरोजपुर स्थित अपने घर से सब्जियां लेकर निकला था। रात करीब ढाई बजे जब वह फिरोजपुर रोड पर वेरका मिल्क प्लांट के सामने पहुंचा तो उसकी महिंद्रा बोलेरो पिकअप अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि संदीप के सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आई। थाना सराभा नगर की पुलिस जांच कर रही है।

पंजाब कांग्रेस की गुटबाजी खत्म करने का प्रयास, जिला प्रधान-सांसदों से फीडबैक, रिपोर्ट पर तय होगी चुनावी रणनीति

जिन नेतों से लिया जा रहा फीडबैक, उन पर ही गुट्टबाजी पर लगे आरोप

मोहाली/यूटर्न/17 जून। पंजाब में 2027 में होने वाले चुनाव से ठीक पहले दिल्ली में राज्य के हालात और पार्टी के अंदर चल रही गुटबाजी को खत्म करने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी के तीन ऑब्जर्वर 17 जून को लगातार दूसरे दिन भी पार्टी के विधायकों व पूर्व विधायकों से फीडबैक ले रहे हैं। यह प्रक्रिया कल तक चलेगी। इसके बाद ऑब्जर्वर्स की तरफ से अपनी रिपोर्ट हाईकमान को सौंप दी जाएगी। माना जा रहा है कि इसी रिपोर्ट के आधार पर कांग्रेस 2027 में होने वाले चुनाव से पहले नेताओं को जिम्मेदारियां सौंपेगी।

इस दौरान ऑब्जर्वर्स कोशिश कर रहे हैं कि हर नेता को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाए। वहीं, इस मौके सभी नेताओं ने दावा किया कांग्रेस एकजुट है। कांग्रेस के ऑब्जर्वर्स ने इंदिरा भवन में सांसदों, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्षों और पूर्व मंत्रियों समेत वरिष्ठ नेताओं से वन-टू-वन बातचीत कर उनकी राय जानी जा रही। मौजूदा विधायकों, पूर्व विधायकों और जिला कांग्रेस अध्यक्षों से कल और परसों मुलाकात की जाएगी। ऑब्जर्वर्स से मिलने वाले नेताओं में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, डॉ. अमर सिंह, गुरजीत सिंह औजला, डॉ. धर्मवीर गांधी और पूर्व पीपीसीसी प्रमुख शमशेर सिंह दूलो शामिल रहे।

काफी अहम मानी जा रही रिपोर्ट

सूत्रों के अनुसार, ऑब्जर्वर्स की यह कवायद पंजाब में पार्टी की जमीनी स्थिति का आकलन करने और हाईकमान को विस्तृत रिपोर्ट सौंपने की बड़ी प्रक्रिया का हिस्सा है पंजाब कांग्रेस लंबे समय से गुटबाजी की समस्या से जूझ रही है। पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, प्रताप सिंह बाजवा और चरणजीत सिंह चन्नी से जुड़े गुट अक्सर अलग-अलग दिशा में खींचतान करते रहे हैं।

पहले जिला प्रधानों-सांसदों पर ही गुट्टबाजी के लगे आरोप

2017 के चुनाव में कांग्रेस ने कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व में 77 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी, लेकिन 2022 के चुनाव में पार्टी भारी नुकसान उठाते हुए मात्र 18 सीटों पर सिमट गई। लेकिन अभी भी चर्चा है कि पिछले दो साल के दौरान पार्टी के कई जिला प्रधानों और सांसदों पर गुट्टबाजी के आरोप लगे हैं। अब ऐसे में उनसे ही फीडबैक लेकर रिपोर्ट बनाना, कितना सही है, यह आना वाला समय ही बताएगा।

पिंजौर अपहरण-लूटकांड का 48 घंटे में खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार; पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश घायल

कपिल नागपाल

पंचकूला/यूटर्न/17 जून। पंचकूला पुलिस ने एचएमटी पिंजौर क्षेत्र में युवक के अपहरण और लूटपाट के मामले का महज 48 घंटे में खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के दौरान हुई पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सेक्टर-6 नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस जांच में आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क और गैंग कनेक्शन को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है।

डीसीपी क्राइम एवं ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि एचएमटी पिंजौर निवासी एक युवक ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि 15 जून की शाम वह स्कूटी पर पेट्रोल भरवाकर घर लौट रहा था। गौरी शंकर मंदिर के पास काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार चार युवकों ने रास्ता पूछने के बहाने उसे रोका और चाकू दिखाकर जबरन गाड़ी में बैठा लिया। आरोपी पीड़ित को अपने साथ विभिन्न स्थानों पर ले गए। इस दौरान उसकी जेब से 12 हजार रुपये नकद और मोबाइल फोन छीन लिया गया। आरोपियों ने उसके मोबाइल के जरिए ऑनलाइन भुगतान कर पेट्रोल भरवाया और नकदी भी निकलवाई। कई घंटों तक घुमाने के बाद उसे बरवाला अनाज मंडी के पास छोड़कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना पिंजौर पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमों ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 16 जून को दो आरोपियों वीरेन और आशीष, निवासी चरखी दादरी, को सेक्टर-19 फेज-1 क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

डीसीपी के अनुसार, बुधवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि मामले के दो अन्य आरोपी अलीपुर इंडस्ट्रियल एरिया में छिपे हुए हैं। क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और आरोपियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। आरोपियों द्वारा चलाई गई गोलियां पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगीं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान योगेश कुमार निवासी भिवानी और दीपेश कुमार निवासी चरखी दादरी के रूप में हुई है।

एक दिन में दो गुमशुदा किशोरियों को सुरक्षित ढूंढकर परिजनों को सौंपा, पंचकूला पुलिस की बड़ी सफलता

पंचकूला/यूटर्न/17 जून। पंचकूला पुलिस ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए एक ही दिन में दो अलग-अलग मामलों में घर से लापता हुई दो नाबालिग किशोरियों को सुरक्षित बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। दोनों किशोरियां परिजनों की डांट से आहत होकर घर छोड़कर चली गई थीं। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) Srishti Gupta ने बताया कि पहला मामला 14 वर्षीय किशोरी से संबंधित है, जो 10 जून की रात परिजनों द्वारा डांटे जाने के बाद बिना बताए घर से चली गई थी। अगले दिन परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही सेक्टर-25 पुलिस चौकी की टीम ने चौकी इंचार्ज रामू स्वामी के नेतृत्व में तलाश शुरू कर दी।

जांच और तकनीकी इनपुट के आधार पर पुलिस को पता चला कि किशोरी उत्तर प्रदेश पहुंच गई है, जहां उसका पैतृक घर स्थित है। इसके बाद पुलिस टीम तत्काल उत्तर प्रदेश रवाना हुई और किशोरी को सुरक्षित बरामद कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद परिजनों को सौंप दिया। दूसरा मामला भी 14 वर्षीय किशोरी का था, जो परिजनों की डांट से नाराज होकर घर से निकल गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और तकनीकी सहायता के माध्यम से कुछ ही घंटों में उसका पता लगा लिया। जांच में सामने आया कि किशोरी पंचकूला में ही अपनी एक सहेली के घर गई हुई थी। पुलिस ने उसे सुरक्षित बरामद कर परिजनों के हवाले कर दिया।

पंचकूला पुलिस ने ईमानदारी की मिसाल पेश की, नकदी और दस्तावेजों से भरा पर्स मालिक को लौटाया

पंचकूला/यूटर्न/17 जून। पंचकूला पुलिस ने अपनी जिम्मेदारी और ईमानदारी का परिचय देते हुए सड़क पर मिले नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरे पर्स को उसके असली मालिक तक सुरक्षित पहुंचाकर आमजन का भरोसा और मजबूत किया है। इस सराहनीय कार्य पर पुलिस कमिश्नर ने संबंधित पुलिसकर्मियों को प्रशंसा पत्र देने की घोषणा की है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सृष्टि गुप्ता ने बताया कि सेक्टर-25 पुलिस चौकी में तैनात मुख्य सिपाही फूल चंद और सिपाही कपिल देर रात नियमित गश्त पर थे। इसी दौरान महाराणा प्रताप चौक के पास उन्हें एक लावारिस पर्स मिला। पुलिस टीम ने पर्स की जांच की तो उसमें 5,200 रुपये नकद, एक सरकारी पहचान पत्र तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए पहचान पत्र के आधार पर पर्स के मालिक का पता लगाया और उससे संपर्क स्थापित किया। पुलिस ने संबंधित व्यक्ति को सेक्टर-25 पुलिस चौकी बुलाकर पहचान की पुष्टि की और उसके बाद नकदी व दस्तावेजों सहित पूरा पर्स सुरक्षित रूप से उसे सौंप दिया। पर्स के मालिक अरविंद यादव, निवासी गांव रैली, सेक्टर-12ए पंचकूला ने अपना खोया हुआ सामान सुरक्षित वापस मिलने पर खुशी जताई और सेक्टर-25 पुलिस चौकी इंचार्ज रामू स्वामी सहित पूरी पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। इस ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ कार्य की सराहना करते हुए पुलिस कमिश्नर पंकज नैन ने संबंधित पुलिसकर्मियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करने की घोषणा की है।

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 सुई की नोक पर हीलिंग का साम्राज्य: डॉ. इन्द्रजीत...

लोहारू को मिली विकास की बड़ी सौगात: सीएम सैनी ने किए करोड़ों के प्रोजेक्ट्स का ऐलान

चंडीगढ़/यूटर्न/17 जून। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भिवानी जिले के सिवानी में आयोजित खादी रोजगार उत्सव कार्यक्रम के दौरान लोहारू विधानसभा क्षेत्र के लिए कई बड़ी विकास योजनाओं की घोषणा की। इन घोषणाओं में बिजली, सड़क, सिंचाई, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कई प्रोजेक्ट शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने गांव गुरेरा, किकराल, नलोई, देवसर, ढाणी रामजस, ढाणी किशनलाल और ढाणी मिठ्ठी में जगमग योजना लागू करने का ऐलान किया, जिस पर 3.28 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

लोहारू शहर को 6.85 करोड़ रुपए की लागत से नया कम्युनिटी सेंटर मिलेगा, जबकि सिवानी कॉलेज में 1.50 करोड़ रुपए की लागत से मल्टीपरपज हॉल बनाया जाएगा।

सिंचाई व्यवस्था सुधारने के लिए कई नहरों और माइनरों की रीमॉडलिंग पर 12 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए जाएंगे।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने:

- सिवानी में ड्राइविंग लाइसेंस के लिए मेडिकल सुविधा शुरू करने
- किकराल रोड बाईपास पर ओवरब्रिज बनाने
- सिवानी नागरिक अस्पताल में 4 करोड़ रुपए से पोस्टमार्टम सुविधा शुरू करने
- 12.22 करोड़ रुपए से बहल बस स्टैंड बनाने
- सिवानी नगर पालिका के नए भवन निर्माण की घोषणा की।

क्षेत्र की सड़क व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 120 सड़कों की मरम्मत की जाएगी, जबकि 25 किलोमीटर खेतों के रास्तों को पक्का किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने बहल को उपमंडल बनाने और सिवानी को हिसार में शामिल करने की मांग भी उठाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन मांगों पर आने वाले समय में विचार कर उचित निर्णय लिया जाएगा।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल से मिला प्रतिनिधिमंडल

चंडीगढ़/यूटर्न/17 जून। सफाई कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित लोक भवन में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष सरदार हरदीप सिंह गिल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान कर्मचारियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उनके समक्ष रखे गए। प्रतिनिधिमंडल में दीपक, कविता, महेंद्र, सोनिया, अमित अटवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने आयोग के उपाध्यक्ष को बताया कि कमर्शियल मार्केट एरिया में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को पिछले चार महीनों से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने सफाई कर्मचारियों से संबंधित अन्य समस्याओं के साथ-साथ बायोमैट्रिक अटेंडेंस प्रणाली का मुद्दा भी उठाया। सदस्यों ने कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने और बायोमैट्रिक अटेंडेंस व्यवस्था पर पुनर्विचार करने की मांग की।

विदेशी प्रशिक्षण से उत्तर भारत के कैंसर मरीजों को मिलेगा फायदा, DMCH के डॉक्टर ने हासिल की अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। हड्डियों के कैंसर और सॉफ्ट टिश्यू ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (DMCH) के ऑर्थोपेडिक ऑन्कोसर्जन डॉ. अनुभव शर्मा ने अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित विश्व प्रसिद्ध मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर (MSKCC) में उन्नत प्रशिक्षण पूरा किया है। MSKCC दुनिया के अग्रणी कैंसर अस्पतालों में शामिल है और यहां विकसित उपचार पद्धतियां वैश्विक स्तर पर अपनाई जाती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कैंसर के इलाज में नई तकनीकों और सटीक सर्जिकल योजना का उपयोग मरीजों के बेहतर उपचार और शीघ्र रिकवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने जटिल हड्डी एवं सॉफ्ट टिश्यू ट्यूमर के इलाज,

मल्टीडिसिप्लिनरी ट्यूमर बोर्ड, अत्याधुनिक इमेजिंग और प्रिसीजन ऑन्कोलॉजी की नवीनतम तकनीकों का अध्ययन किया।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार भारत में हर वर्ष हजारों मरीज बोन कैंसर और संबंधित ट्यूमर से प्रभावित होते हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर की विशेषज्ञता का स्थानीय अस्पतालों तक

पहुंचना मरीजों के लिए बड़ी उपलब्धि है। इससे उन्हें बेहतर इलाज के लिए महानगरों या विदेशों पर निर्भरता कम करनी पड़ सकती है। DMCH प्रबंधन का कहना है कि इस प्रशिक्षण से अस्पताल में कैंसर उपचार, शोध और चिकित्सा शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी। साथ ही भविष्य में अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ने से पंजाब और उत्तर भारत के मरीजों को विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ अपने क्षेत्र में ही मिल सकेगा।

5 किलो हेरोइन सहित 3 तस्कर अरेस्ट, 39 कारतूस-हजारों की नकदी बरामद

पंजाब/यूटर्न/17 जून। फिरोजपुर में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने 2 अलग-अलग ऑपरेशनों में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 5.775 किलोग्राम हेरोइन, 1,33,640 प्रतिबंधित कैप्सूल और टैबलेट, 39 कारतूस तथा 36,600 रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई जिले में सक्रिय नशा तस्करी और अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ विशेष अभियान के तहत की गई। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ थाना आरिफ के और थाना ममदोट में एनडीपीएस एक्ट तथा अन्य संबंधित धाराओं के तहत अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। जांच में सामने आया है कि आरोपी बड़े स्तर पर नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े हुए थे। पुलिस अब बरामद हेरोइन और प्रतिबंधित दवाओं के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

ड्राइवरों के आंदोलन के बाद ओला का लाइसेंस 6 माह के लिए निलंबित, संगठनों ने बताया बड़ी जीत

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/17 जून। ट्राईसिटी में कैब चालकों के हालिया आंदोलन के बाद ओला को बड़ा झटका लगा है। ड्राइवर संगठनों के अनुसार, राज्य परिवहन प्राधिकरण (एसटीए) ने ओला का लाइसेंस छह महीने के लिए निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई को ड्राइवर संगठनों ने अपनी एकता और लंबे समय से चल रहे संघर्ष की बड़ी जीत बताया है। ट्राईसिटी कैब ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन (TCA), ट्राईसिटी ड्राइवर्स वेलफेयर एसोसिएशन (TDA) और ट्राईसिटी पंजाब (TCP) ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि हाल ही में हुए शांतिपूर्ण और बड़े पैमाने के आंदोलन के बाद यह कार्रवाई हुई है। संगठनों का दावा है कि यह फैसला उन एग्रीगेटर कंपनियों के लिए भी संदेश है जो नियमों और ड्राइवर हितों की अनदेखी कर रही हैं। ड्राइवर संगठनों ने आंदोलन में शामिल हुए सैकड़ों चालकों और समर्थन में अपनी आईडी बंद रखने वाले हजारों ड्राइवरों का आभार व्यक्त किया। संगठनों का कहना है कि ड्राइवरों की एकजुटता के कारण उनकी मांगों को गंभीरता से लिया गया और प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी। संगठनों ने कहा कि यह केवल एक कंपनी के खिलाफ कार्रवाई नहीं है, बल्कि ड्राइवरों के अधिकारों, सम्मान और न्याय की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने प्रशासन से अन्य एग्रीगेटर कंपनियों द्वारा कथित नियम उल्लंघनों की भी जांच करने और ड्राइवरों की लंबित मांगों का समाधान करने की मांग की। इस बीच ड्राइवर संगठनों ने सभी चालकों से अपील की है कि यदि ओला का लाइसेंस निलंबित है तो वे प्लेटफॉर्म पर वाहन संचालन से बचें। उनका कहना है कि बिना वैध लाइसेंस के संचालन की स्थिति में चालकों को प्रशासनिक कार्रवाई या चालान का सामना करना पड़ सकता है।

विश्व शांति, समता और भाईचारे का संदेश लेकर निकली अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पदयात्रा लुधियाना पहुंची

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। विश्व में शांति, करुणा, समता और मानव भाईचारे का संदेश फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न देशों के भिक्षु संघ द्वारा निकाली जा रही अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पदयात्रा 16 जून 2026 को भारत में प्रवेश करने के बाद अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ रही है। यह ऐतिहासिक पदयात्रा पंजाब के संगोल से आरंभ होकर बुधवार लुधियाना पहुंची, जहां समाज के विभिन्न वर्गों ने इसका भव्य स्वागत किया। लुधियाना में पदयात्रा का शुभारंभ समराला चौक से हुआ और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक, जालंधर बाईपास पहुंचकर परम पूज्य बोधिसत्व बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इसके उपरांत यात्रा अपने अगले पड़ाव की ओर रवाना हुई। यात्रा में नवजीत चौहान, देशराज चौहान, बंसीलाल प्रेमी, राजेंद्र कुमार, छेदीलाल, रामनिवास मौर्य, रामचंद्र, डॉ. मनोज बेदाती, हंसराज, बलविंदर जस्सी तथा अंबेडकर नवयुवक दल भारत के पदाधिकारी और कार्यकर्ता विशेष रूप से शामिल हुए। अंत में अंबेडकर नवयुवक दल भारत के संस्थापक बंसीलाल प्रेमी ने सभी सामाजिक संगठनों, बौद्ध अनुयायियों और आम नागरिकों का धन्यवाद किया।

श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस पर नगर निगम भवन में छबील और लंगर सेवा का आयोजन

चंडीगढ़/यूटर्न/17 जून। श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस के अवसर पर नगर निगम चंडीगढ़ के कर्मचारियों द्वारा नगर निगम भवन में ह्यमिट्ठे पानी की छबीलह्व और लंगर सेवा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवा, मानवता और भाईचारे की भावना का संदेश देते हुए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, कर्मचारियों और नागरिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी, नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, विशेष आयुक्त प्रदीप कुमार, पार्षदों तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने शिरकत की।

योग में भारत बना दुनिया का गुरु, पीएम मोदी ने पहुंचाया योग का संदेश: सांसद धर्मबीर सिंह

भिवानी/यूटर्न/17 जून। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि योग भारत की हजारों साल पुरानी पहचान है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज पूरी दुनिया योग को अपना रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने योग के क्षेत्र में फिर से विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है।

भिवानी स्थित हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित योगाभ्यास शिविर में सांसद ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा बोर्ड, हरियाणा योग आयोग और आयुष विभाग द्वारा किया गया। सांसद ने कहा कि आज की तेज रफ्तार जिंदगी और गलत खानपान के कारण लोग बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। ऐसे समय में योग स्वस्थ रहने का आसान और असरदार तरीका है। उन्होंने कहा कि योग करने के लिए कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं है। हर व्यक्ति घर पर भी रोज योग कर सकता है। उन्होंने लोगों से 'हर घर योग, हर दिन योग' अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन एडवोकेट शंकर धूपड़, विधायक घनश्याम सर्राफ, विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि, एडीसी दीपक बाबू लाल करवा और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रूह से रूबरू

चारु नागपाल

क्या घर केवल ईंट और पत्थरों से बनी इमारत है?

घर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे से बनी एक साधारण इमारत नहीं होता। वास्तव में घर वह स्थान है जहाँ प्रेम, अपनापन, सम्मान और आपसी समझदारी का वास होता है। यदि किसी भवन में रहने वाले लोगों के बीच स्नेह और विश्वास न हो, तो वह चाहे कितना भी बड़ा और भव्य क्यों न हो, उसमें सुख और शांति नहीं मिल सकती। दूसरी ओर, एक छोटा-सा घर भी स्वर्ग के समान बन सकता है यदि उसके सदस्यों के बीच प्रेम और सहयोग की भावना हो। परिवार के लोग जब एक-दूसरे की भावनाओं को समझते हैं, कठिन समय में साथ खड़े रहते हैं और खुशियाँ मिल-बाँटकर मनाते हैं, तब घर में सकारात्मक वातावरण बनता है। ऐसा घर हर व्यक्ति को मानसिक शांति और सुरक्षा का अनुभव कराता है। आज के समय में लोग बड़े-बड़े मकान बनाने में तो बहुत धन खर्च करते हैं, लेकिन परिवार के रिश्तों को मजबूत बनाने पर कम ध्यान देते हैं। वास्तव में घर की सुंदरता उसकी दीवारों से नहीं, बल्कि उसमें रहने वाले लोगों के अच्छे व्यवहार और प्रेम से बढ़ती है। इसलिए कहा जा सकता है कि घर केवल एक इमारत नहीं, बल्कि भावनाओं का संसार है। प्रेम, सम्मान और आपसी समझदारी से कोई भी छोटा-सा घर स्वर्ग बन सकता है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

क्या शादी के बाद पत्नी अपना अलग बैंक खाता रख सकती है? विवाह के बाद अक्सर यह प्रश्न उठता है कि क्या पत्नी को अपना अलग बैंक खाता रखने का अधिकार है, या फिर सभी वित्तीय लेन-देन संयुक्त (joint) रूप से होने चाहिए। कानून के अनुसार, विवाह के बाद भी पति और पत्नी दोनों की अलग कानूनी पहचान बनी रहती है। इसलिए पत्नी अपना व्यक्तिगत बैंक खाता खोल सकती है, चला सकती है और अपनी आय तथा बचत को उसमें रख सकती है। इसी प्रकार, पति को भी अपना अलग बैंक खाता रखने का अधिकार होता है। विवाह का अर्थ यह नहीं है कि दोनों की वित्तीय पहचान पूरी तरह एक हो जाती है। कई परिवार सुविधा के लिए Joint Account भी खुलवाते हैं, जिससे घरेलू खर्च और अन्य वित्तीय कार्य आसानी से हो सकें। लेकिन Joint Account होना कानूनी आवश्यकता नहीं है। यदि पत्नी नौकरी करती है, व्यवसाय चलाती है, या उसके नाम पर कोई आय आती है, तो उस धन पर उसका वैध अधिकार होता है। वैवाहिक विवादों में कई बार यह गलतफहमी देखी जाती है कि पति या पत्नी को दूसरे के व्यक्तिगत बैंक खाते पर स्वतः अधिकार मिल जाता है। जबकि ऐसा नहीं है। हाँ, Maintenance, Alimony या अन्य न्यायिक कार्यवाही के दौरान अदालत वित्तीय जानकारी मांग सकती है, लेकिन यह कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से होता है।

निष्कर्ष: शादी के बाद पत्नी को अपना अलग बैंक खाता रखने का पूरा कानूनी अधिकार है। विवाह से व्यक्ति की वित्तीय पहचान समाप्त नहीं होती और दोनों पक्ष अपनी स्वतंत्र आर्थिक व्यवस्था बनाए रख सकते हैं।

पूज्य श्री फूलचंद जी महाराज की 44वीं पुण्य स्मृति पर श्रद्धा, सेवा और नवकार मंत्र जाप का आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। न्यू यंग फाइव स्टार क्लब एवं भोले बाबा रत्न मुनि जैन युवा संघ की ओर से पंजाब प्रवर्तक उपाध्याय श्रमण उग्र तपस्वी पूज्य गुरुदेव श्रद्धेय श्री फूलचंद जी महाराज साहिब जी के 44वें पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में आत्म श्रमण साधना स्थल, क्लब रोड, लुधियाना में श्रद्धापूर्वक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम के ज्वाइंट कमिश्नर जसदेव सिंह सेखों, एसपी कपूरथला मैडम गुरमीत कौर चाहल, एस.एस. जैन सभा सिविल लाइंस के अधीरमन जैन, आप पार्षद पति मनु जैरथ, भाजपा नेता दीपू शर्मा, आप नेता त्रिशूल शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने पहुंचकर पूज्य गुरुदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की और आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा नवकार मंत्र का सामूहिक जाप किया गया तथा मानव सेवा के भाव से लंगर का आयोजन भी किया गया।

यूनाइटेड फ्रंट सदस्यों के प्रयासों से यूसीपीएमए में बनी सहमति, यूनाइटेड फ्रंट ने संगठन की एकता का दिया संदेश

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। यूनाइटेड साइकिल एंड पार्ट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (यूसीपीएमए) में लंबे समय से चल रहे गतिरोध का सकारात्मक समाधान एवन साइकिल के एमडी ओंकार सिंह पाहवा एवं एसोसिएशन के चेयरमैन जतिंदर मित्तल के प्रयासों से संभव हुआ। सभी ने एकजुट होकर आगे बढ़ने का निर्णय लिया। एवन साइकिल परिसर में आयोजित बैठक के दौरान यूसीपीएमए के अध्यक्ष हरसिमरजीत सिंह लक्की एवं महासचिव वरुण कपूर के बीच आपसी सहमति बनी। दोनों पक्षों ने भविष्य में सभी मतभेदों को पीछे छोड़कर साइकिल उद्योग और एसोसिएशन के हित में मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक के दौरान उद्योग के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए यूनाइटेड फ्रंट के सदस्य रोहित रहेजा, जिन्होंने अपनी ओर से अदालती मामला दायर किया था, उसे वापस लेगें। उन्होंने अदालत में प्रस्तुत किए जाने वाला एफिडेविट भी बैठक के दौरान सौंप दिया। उपस्थित सदस्यों ने उनके इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे संगठन में विश्वास, संवाद और सहयोग की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। इस अवसर पर ओंकार सिंह पाहवा ने दोनों पक्षों को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी उद्योग की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकता होती है। यूनाइटेड फ्रंट के संजय गुप्ता नाइस ने कहा कि संगठन की मजबूती और उद्योग का विकास सभी की साझा जिम्मेदारी है। इस अवसर पर ओंकार सिंह पाहवा, जतिंदर मित्तल, संजय गुप्ता नाइस, हरसिमरजीत सिंह लक्की, राजिंदर नारंग, गुरमीत सिंह, वरुण कपूर, यूनाइटेड फ्रंट के रोहित रहेजा, रमन घई और अमित रहेजा उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेताओं की बैठक, आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बनी रणनीति

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं पंजाब के इंचार्ज रविंदर डालवी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व विधायक कुलदीप सिंह वैद के निवास स्थान पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने एक साथ दोपहर का भोजन किया और पंजाब में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर विस्तार से चर्चा की। गिल्ल विधानसभा क्षेत्र से प्रतिनिधित्व कर रहे कुलदीप सिंह वैद ने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति से श्री डालवी को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वह गिल्ल हलके में लगातार मेहनत कर रहे हैं और आने वाले चुनावों में बड़े अंतर से जीत हासिल कर कांग्रेस की झोली में यह सीट डालने के लिए पूरी तरह आश्वस्त हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस पार्टी पंजाब में बहुमत के साथ सरकार बनाने में सफल होगी। वहीं, रविंदर डालवी ने सरदार वैद के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन के रूप में भी बेहतरीन कार्य किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी चुनावों में जीत दर्ज कर सरदार वैद पंजाब में मजबूती से प्रतिनिधित्व करेंगे।

ऑपरेशन मैदान 2.0 के तहत पंचकूला पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 60 लाख की हेरोइन सहित अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/17 जून। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन मैदान 2.0' के तहत पंचकूला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अंतरराज्यीय नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 305 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 60 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। अदालत ने आरोपी को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस कमिश्नर पंकज नैन के निर्देशों पर नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक सेल पंचकूला को 16 जून को गुप्त सूचना मिली थी कि अजय नामक व्यक्ति पंजाब से हेरोइन लाकर ट्राईसिटी क्षेत्र में सप्लाई करता है और सेक्टर-20 पंचकूला स्थित श्मशान घाट रोड के पास नशीला पदार्थ पहुंचाने आने वाला है। सूचना के आधार पर एसीपी क्राइम अरविंद कंबोज के मार्गदर्शन तथा एंटी नारकोटिक सेल इंचार्ज सौरव रावत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर रेड कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान अजय पुत्र विजय कुमार, निवासी अबोहर (पंजाब) तथा वर्तमान में आशियाना होम्स, पीर मुच्छला, ढकोली में किरायेदार के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 305 ग्राम हेरोइन, दो मोबाइल फोन और नकदी बरामद की। इस संबंध में थाना सेक्टर-20 पंचकूला में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पंजाब के तरनतारन क्षेत्र से हेरोइन लाकर ट्राईसिटी में सप्लाई करता था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी कब से इस अवैध कारोबार में शामिल था, उसके नेटवर्क में कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं तथा ट्राईसिटी में उसके स्थानीय तस्करों से क्या संबंध थे। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा और युवाओं को नशे के जाल से बचाने के लिए पुलिस सख्त कार्रवाई करती रहेगी।

म्युनिसिपल कर्मचारी दल के प्रतिनिधिमंडल ने निगम कमिश्नर से की मुलाकात

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। म्युनिसिपल कर्मचारी दल के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को यूनियन के चेयरमैन विजय दानव के नेतृत्व में नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार से निगम कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान यूनियन पदाधिकारियों ने नव नियुक्त निगम कमिश्नर का स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया। इस अवसर पर चेयरमैन विजय दानव ने कहा कि लुधियाना शहर के लिए यह गर्व की बात है कि पंजाब सरकार ने एक ईमानदार, अनुभवी, कर्मठ और जनहित के प्रति समर्पित अधिकारी को नगर निगम की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने विश्वास जताया कि निगम कमिश्नर के नेतृत्व में शहर में सफाई व्यवस्था, सौंदर्यीकरण और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि म्युनिसिपल कर्मचारी दल नगर निगम प्रशासन के साथ मिलकर शहर के विकास और बेहतर नागरिक सुविधाओं के लिए हर संभव सहयोग करेगा। साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों को दरपेश विभिन्न समस्याओं और मांगों से भी निगम कमिश्नर को अवगत कराया। इस मौके पर सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर, अक्षय राज, कनौज दानव सहित यूनियन के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

अवमानना याचिका पर हाईकोर्ट ने पीएसपीसीएल अधिकारियों को नोटिस किया जारी

जीरकपुर/यूटर्न/17 जून। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद सुषमा वैलेंसिया अपार्टमेंट्स के करीब 500 परिवारों को अभी तक बिजली कनेक्शन नहीं मिल पाया है। अदालत ने 5 जून को पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) को निवासियों को अस्थायी बिजली कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए थे, लेकिन 11 दिन बीत जाने के बाद भी एक भी कनेक्शन जारी नहीं होने पर मामला अब अवमानना याचिका तक पहुंच गया है। सुषमा वैलेंसिया अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में दायर अवमानना याचिका में आरोप लगाया है कि अदालत के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद बिजली विभाग ने आदेशों का पालन नहीं किया। इसके चलते जिन परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद जगी थी, वे अब भी अनिश्चितता और परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पीएसपीसीएल के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर बसंत गर्ग सहित अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। अदालत ने पूछा है कि आदेश जारी होने के बावजूद अब तक बिजली कनेक्शन क्यों नहीं दिए गए। दरअसल, सुषमा समूह से जुड़े विवादों के बाद बिल्डर के फरार होने से सोसायटी की बिजली व्यवस्था प्रभावित हो गई थी। पहले जनरेटरों के माध्यम से अस्थायी आपूर्ति की जा रही थी, लेकिन वह व्यवस्था भी बंद हो गई। इसके बाद सोसायटी के सैकड़ों परिवारों को बिजली संकट का सामना करना पड़ा और उन्हें न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।

रिट याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पीएसपीसीएल को निर्देश दिया था कि नियमानुसार शुल्क और 20 हजार रुपये प्रति कनेक्शन की सुरक्षा राशि जमा करवाकर निवासियों को अस्थायी बिजली कनेक्शन दिए जाएं। आदेश को बड़ी राहत माना जा रहा था, लेकिन इसके क्रियान्वयन में देरी ने निवासियों की चिंता बढ़ा दी है। सुनवाई के दौरान एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता जी.एस. धोत और जी.एस. घुमण पेश हुए। वहीं पीएसपीसीएल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह और अधिवक्ता प्रियंका ढिल्लों ने अदालत को बताया कि आदेशों के अनुपालन की प्रक्रिया जारी है और विस्तृत जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा गया है। जस्टिस दीपक गुप्ता ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देते हुए मामले की अगली सुनवाई 19 जून निर्धारित की है।

पेंटागन ने यूएफओ से जुड़ी फाइलें जारी कीं, सबसे अहम मामला अभी भी गोपनीय

चंडीगढ़/यूटर्न/17 जून। पेंटागन ने अनआइडेंटिफाइड एनॉमलस फेनोमेना (यूएपी), जिन्हें आम तौर पर यूएफओ कहा जाता है – पर गोपनीय हटाई गई फाइलों का एक नया सेट जारी किया है। इनमें रहस्यमयी चमकते गोले, घूमती हुई डिस्क और एक अजीब ₹आलू के आकार₹ की चीज देखे जाने का ब्योरा है, जिसे जांचकर्ता पूरी तरह से समझा नहीं पाए हैं। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि इन दस्तावेजों में एलियन जीवन का कोई सबूत नहीं है।

हाल ही में जारी 72 फाइलें यूएफओ से जुड़े उन रिकॉर्ड्स का तीसरा हिस्सा हैं, जिन्हें इस साल की शुरूआत में शुरू की गई पारदर्शिता पहल के तहत सार्वजनिक किया गया था। इन दस्तावेजों में पेंटागन, एफबीआई और अन्य अमेरिकी एजेंसियों द्वारा तैयार किए गए गवाहों के बयान, खुफिया आकलन, स्केच, तस्वीरें और जांच रिपोर्ट शामिल हैं। सबसे दिलचस्प मामलों में से एक 2022 में कोलोराडो स्प्रिंग्स के पास देखी गई चीज का मामला है।

घटनाओं पर केंद्रित है रिपोर्ट

एक और रिपोर्ट अक्टूबर 2023 में छह संघीय कानून प्रवर्तन एजेंटों द्वारा देखी गई घटनाओं की एक श्रृंखला पर केंद्रित है। एजेंटों ने बताया कि उन्होंने एक पहाड़ी की चोटी के ऊपर एक चमकीला नारंगी गोला देखा, जिससे कई छोटे लाल गोले निकले। एक मामले में, एक गोला कई घंटों तक आसमान में एक ही जगह पर स्थिर रहा। ये खुलासे यूएपी जांच से जुड़ी पहले गोपनीय रखी गई सामग्री को जारी करने के अमेरिकी अधिकारियों के चल रहे प्रयासों का हिस्सा हैं। अधिकारियों का कहना है कि समीक्षा जारी रहने पर और भी रिकॉर्ड सार्वजनिक किए जा सकते हैं।

मामला अनसुलझा रह गया

रिपोर्ट के अनुसार, सेना के जवानों ने एक चमकती हुई चीज देखी, जिसे आलू या बीन्स जैसा बताया गया, जिस पर मछली जैसे शल्क थे। गवाहों ने बताया कि यह चीज गायब होने से पहले लगभग दो मिनट तक हवा में रुकी रही। जांचकताओं ने ₹कम भरोसे₹ के साथ सुझाव दिया कि यह घटना बर्फ से ढकी जमीन से सूरज की रोशनी के टकराने और बादलों के चमकने के कारण हो सकती है। हालांकि, इस स्पष्टीकरण से उस घटना की पूरी तरह से व्याख्या नहीं हो सकी, जिससे यह मामला अनसुलझा ही रह गया।

ठोस सबूत अभी जारी नहीं किए

अमेरिकी सीनेट की खुफिया समिति के पूर्व स्टाफ डायरेक्टर मेलन का कहना है कि उन्हें जो सबसे ठोस आधिकारिक सबूत मिले हैं, वे अभी भी जारी नहीं किए गए हैं। उदाहरण के तौर पर, वह एक भावुक वीडियो का ज़िक्र करते हैं जिसमें एक परेशान सैन्य पायलट है, जिसका एक अज्ञात चीज के साथ बहुत करीबी सामना हुआ था। मेलन ने याद करते हुए कहा, उसकी उस चीज से लगभग टक्कर हो ही गई थी, वह तेज रफ़्तार से दो ऋ-18 विमानों के बीच से गुजरी। आप पायलट को गाली देते और यह कहते हुए सुन सकते हैं कि 'यह क्या बला है ? जब वह उसकी खिड़की के पास से तेजी से गुजरती है – और अगर आप वीडियो को धीमा करके देखें, तो गुजरते समय आप उस चीज को थोड़ा-बहुत देख सकते हैं।

असिस्टेंट प्रोफेसर ने देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन प्रबंधन पर लगाए धोखाधड़ी और मानसिक उत्पीड़न के आरोप

चंडीगढ़/यूटर्न/17 जून। शहर के एक शिक्षण संस्थान में नियुक्ति को लेकर विवाद सामने आया है। असिस्टेंट प्रोफेसर सिमरन कौर ने देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन प्रबंधन और कॉलेज की प्रिंसिपल पर नौकरी के नाम पर कथित धोखाधड़ी, भ्रामक आश्वासन देने तथा मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है।

चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में सिमरन कौर ने दावा किया कि वह देव समाज कॉलेज ऑफ एजुकेशन की पूर्व छात्रा रही हैं और शैक्षणिक क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल कर चुकी हैं। उनके अनुसार कॉलेज द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया था, जिसके बाद रोजगार कार्यालय के माध्यम से उनका नाम भी चयन प्रक्रिया के लिए भेजा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इंटरव्यू के बाद उनका चयन किया गया और उन्हें कार्यभार संभालने के लिए कहा गया।

रॉन्ग साइड से आई कार बनी हादसे की वजह, बाइक सवार युवक गंभीर घायल

जीरकपुर/यूटर्न/17 जून। जीरकपुर में देर रात एक तेज रफ्तार कार चालक की लापरवाही से हुए सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में घायल युवक की टांग की हड्डी टूट गई, जिसका ऑपरेशन करवाना पड़ा। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में अंबाला की शिवपुरी कॉलोनी निवासी सौरव शर्मा ने बताया कि 15 जून की रात करीब दो बजे वह अपने भाई के मोटरसाइकिल पर अंबाला से चंडीगढ़ की ओर जा रहा था। उसके आगे उसके दोस्त विशाल और अनमोल दूसरे मोटरसाइकिल पर चल रहे थे। जब वे जीरकपुर स्थित रमाडा होटल के पास पहुंचे तो सामने से रॉन्ग साइड पर आ रही एक कार ने अचानक बिना किसी संकेत के कट की ओर मोड़ लिया। कार की अचानक हुई इस हरकत से विशाल बाइक का संतुलन नहीं बना सका और उसका मोटरसाइकिल कार से टकरा गया। टक्कर के बाद विशाल और अनमोल सड़क पर गिर गए। हादसे में विशाल की दाहिनी टांग की हड्डी टूट गई। शिकायतकर्ता के अनुसार हादसे के बाद कार चालक कुछ दूरी पर वाहन रोककर मौके पर आया और घायल की हालत देखने के बाद अपनी कार लेकर फरार हो गया। इस दौरान शिकायतकर्ता ने कार का नंबर HR26CL1151 नोट कर लिया। उसने बताया कि वह चालक को सामने आने पर पहचान सकता है। घायल को पहले सेक्टर-32 स्थित जीएमसीएच चंडीगढ़ ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे अंबाला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उसकी टांग का ऑपरेशन किया गया।

प्रोफेसर यशवंत राय की पुण्यतिथि पर श्रद्धाजलि अर्पित की

चण्डीगढ़/यूटर्न/17 जून। हर साल की तरह इस साल भी सैक्टर 24 स्थित भगवान वाल्मीकि भवन में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति वेलफेयर फेडरेशन पंजाब, हरियाणा एवं चंडीगढ़ की तरफ से दलित नेता, पंजाब के पूर्व मंत्री तथा भारतीय संविधान सभा के सदस्य प्रोफेसर यशवंत राय की 41वीं पुण्यतिथि मनाई गई। वही फेडरेशन के अध्यक्ष हाकम सरहदी ने प्रोफेसर यशवंत राय को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सामाजिक दलित नेता और अनुसूचित जाति/जन जाति भलाई संगठन के प्रधान प्रेम शम्मी, रमेश कुमार, मदन लाल बोहत, हरभजन सिंह, पवन संधू, सुशील मोदगिल के अलावा कई अन्य मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने पैदल कार्यालय पहुंचे मेयर सौरभ जोशी

चंडीगढ़/यूटर्न/17 जून। पर्यावरण संरक्षण और सतत शहरी परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी बुधवार को पैदल चलकर नगर निगम कार्यालय पहुंचे। उन्होंने इस पहल के माध्यम से शहरवासियों को पर्यावरण

अनुकूल परिवहन साधन अपनाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का संदेश दिया। मेयर सौरभ जोशी ने कहा कि निजी वाहनों के अत्यधिक उपयोग से बढ़ते प्रदूषण और ईंधन की खपत को कम करने के लिए लोगों को छोटी दूरी के लिए पैदल चलने, साइकिल चलाने और अन्य टिकाऊ परिवहन विकल्पों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे छोटे-छोटे कदम स्वच्छ और हरित शहर के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि वह अक्सर कार्यालय, आसपास की बैठकों, सार्वजनिक कार्यक्रमों और अन्य नागरिक आयोजनों में भी, जहां संभव हो, पैदल ही पहुंचते हैं। उनका मानना है कि जनप्रतिनिधियों को स्वयं उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक करना चाहिए। मेयर ने कहा कि चंडीगढ़ हमेशा से पर्यावरण हितैषी और प्रगतिशील पहलों में अग्रणी रहा है। पैदल चलना और साइकिल का उपयोग न केवल वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करता है, बल्कि यातायात दबाव घटाने और लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी सहायक है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे विशेष रूप से कम दूरी की यात्राओं के लिए पैदल चलने की आदत विकसित करें और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय भागीदार बनें। नगर निगम के अनुसार शहर को स्वच्छ, हरित और रहने के लिए बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पर्यावरणीय और जनजागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं। यह पहल भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सुखना चोए पर बन रहे उच्च स्तरीय पुल का विधायक रंधावा ने किया निरीक्षण

जीरकपुर/यूटर्न/17 जून। डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने बुधवार को बलटाना स्थित सुखना चोए पर लगभग छह करोड़ रुपये की लागत से बन रहे उच्च स्तरीय पुल के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक रंधावा ने कहा कि पुल के निर्माण से क्षेत्र के हजारों लोगों को बेहतर और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि बरसात के दौरान सुखना चोए में जलस्तर बढ़ने से लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ता है। पुल बनने के बाद इस समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। रंधावा ने कहा कि भगवंत सिंह मन के नेतृत्व में पंजाब सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है और डेराबस्सी क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण और विकास के एजेंडे पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है तथा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक हिस्से में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। इस मौके पर एमसी करमजीत चौहान और गुरप्रीत सिंह विरक भी मौजूद रहे।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक, मतदाता सूचियों की शुद्धता पर दिया जोर

जीरकपुर/यूटर्न/17 जून। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस ने डेराबस्सी हलके में अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को कांग्रेस के डेराबस्सी हलका प्रभारी दीपिन्दर सिंह ढिल्लों की अगुवाई में कार्यकर्ताओं की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंजाब कांग्रेस के पर्यवेक्षक Harpreet Singh भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान एसआईआर प्रक्रिया और मतदाता सूचियों की जांच व संशोधन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर लोगों को मतदाता सूची की जांच, नाम दर्ज कराने और त्रुटियों को समय रहते ठीक करवाने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए गए। दीपिंदर सिंह ढिल्लों ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूचियों का सही और पारदर्शी होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना चाहिए और यदि किसी नाम में त्रुटि है तो उसे समय पर ठीक करवाना आवश्यक है।

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने जीरकपुर से दो बसों को किया रवाना

जीरकपुर/यूटर्न/17 जून। हलका डेराबस्सी के विधायक सरदार कुलजीत सिंह रंधावा ने जीरकपुर के वार्ड नंबर 25 से 59वीं तथा वार्ड नंबर 26 से 60वीं बस को श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक स्थलों के दर्शन हेतु रवाना किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के चेहरों पर खुशी, मन में अटूट आस्था और वातावरण में आध्यात्मिक उत्साह की अनूठी झलक देखने को मिली। पंजाब सरकार की जनकल्याणकारी योजना 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा' के तहत बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों तथा अन्य श्रद्धालुओं को देश के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के दर्शन करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हो रहा है। इस मौके पर विधायक सरदार कुलजीत सिंह रंधावा ने कहा कि मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार लोगों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें तीर्थ स्थलों के दर्शन की सुविधा उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को धार्मिक एवं आध्यात्मिक रूप से जोड़ना है।

फोर्टिस अस्पताल में बम थ्रेट मॉक ड्रिल, आपात स्थिति से निपटने की तैयारियां परखी गईं

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। मरीजों और अस्पताल स्टाफ की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से फोर्टिस अस्पताल, लुधियाना में बुधवार को बम थ्रेट मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। यह अभ्यास लुधियाना पुलिस के बम स्क्वॉड तथा विभिन्न प्रशासनिक एजेंसियों के सहयोग से दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया गया। मॉक ड्रिल अस्पताल के न्यूक्लियर मेडिसिन वेटिंग एरिया में की गई, जहां आपातकालीन स्थिति में अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं का परीक्षण किया गया। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों, डॉक्टरों, प्रशासनिक अधिकारियों और आपदा प्रबंधन से जुड़ी टीमों के बीच समन्वय और तत्परता का आकलन किया गया। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि यह एक नियमित सुरक्षा अभ्यास था, जिसका उद्देश्य किसी भी संभावित संकट की स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्रिल के दौरान अस्पताल की सभी आपातकालीन और सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से जारी रहीं।

अस्पताल प्रबंधन ने इस अभ्यास को सफल बनाने में सहयोग देने वाले प्रशासनिक अधिकारियों, बम स्क्वॉड, एनडीआरएफ, सिविल डिफेंस, पुलिस, फायर ब्रिगेड और स्वास्थ्य विभाग की टीमों का आभार व्यक्त किया। प्रबंधन ने कहा कि ऐसे अभ्यास मरीजों की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रॉन्ग साइड से आई कार बनी हादसे की वजह, बाइक सवार युवक गंभीर घायल

जीरकपुर में देर रात सड़क हादसा, कार की टक्कर से युवक की टांग टूटी

- कट पर अचानक मुड़ी कार, बाइक सवार युवक का हुआ ऑपरेशन
- रमाडा होटल के पास लापरवाही का कहर, कार चालक फरार

जीरकपुर/यूटर्न/17 जून। जीरकपुर में देर रात एक तेज रफ्तार कार चालक की लापरवाही से हुए सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में घायल युवक की टांग की हड्डी टूट गई, जिसका ऑपरेशन करवाना पड़ा। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में अंबाला की शिवपुरी कॉलोनी निवासी सौरव शर्मा ने बताया कि 15 जून की रात करीब दो बजे वह अपने भाई के मोटरसाइकिल पर अंबाला से चंडीगढ़ की ओर जा रहा था। उसके आगे उसके दोस्त विशाल और अनमोल दूसरे मोटरसाइकिल पर चल रहे थे। जब वे जीरकपुर स्थित रमाडा होटल के पास पहुंचे तो सामने से रॉन्ग साइड पर आ रही एक कार ने अचानक बिना किसी संकेत के कट की ओर मोड़ लिया।

कार की अचानक हुई इस हरकत से विशाल बाइक का संतुलन नहीं बना सका और उसका मोटरसाइकिल कार से टकरा गया। टक्कर के बाद विशाल और अनमोल सड़क पर गिर गए। हादसे में विशाल की दाहिनी टांग की हड्डी टूट गई। शिकायतकर्ता के अनुसार हादसे के बाद कार चालक कुछ दूरी पर वाहन रोककर मौके पर आया और घायल की हालत देखने के बाद अपनी कार लेकर फरार हो गया। इस दौरान शिकायतकर्ता ने कार का नंबर लफ26उछ1151 नोट कर लिया। उसने बताया कि वह चालक को सामने आने पर पहचान सकता है। घायल को पहले सेक्टर-32 स्थित जीएमसीएच चंडीगढ़ ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे अंबाला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उसकी टांग का ऑपरेशन किया गया।

जीरकपुर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस कार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच कर रही है।

'नो व्हीकल बुधवार' अभियान जारी, चंडीगढ़ प्रशासन ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

चंडीगढ़/यूटर्न/17 जून। चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा पर्यावरण संरक्षण और सतत परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया जा रहा 'नो व्हीकल बुधवार' अभियान लगातार जारी है। इस पहल के तहत लोगों को निजी वाहनों के बजाय साइकिल, पैदल चलने और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रशासन का मानना है कि इस अभियान से ईंधन की बचत, वायु प्रदूषण में कमी और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान मिल सकता है। साथ ही यह लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित करता है। अधिकारियों ने कहा कि 'नो व्हीकल बुधवार' केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता का संदेश है। इसके माध्यम से नागरिकों को स्वच्छ हवा, हरित वातावरण और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था के महत्व से अवगत कराया जा रहा है। चंडीगढ़ प्रशासन ने शहरवासियों से इस पहल में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही ईंधन संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और हरित भविष्य के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। प्रशासन के अनुसार, यह अभियान आने वाले समय में भी जारी रहेगा और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे।

75 करोड़ के CREST घोटाले में बड़ा एक्शन, IFS अधिकारी नवनीत श्रीवास्तव गिरफ्तार

सीबीआई की बड़ी कार्रवाई से चंडीगढ़ प्रशासन में हड़कंप, 13 आरोपियों वाली चार्जशीट में नया मोड़

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/17 जून। बहुचर्चित 75.34 करोड़ रुपये के क्रेस्ट घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चंडीगढ़ प्रशासन के 2014 बैच के आईएफएस अधिकारी नवनीत श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया है।

सीबीआई इस मामले में पहले ही विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, जिसमें बैंक अधिकारियों, सरकारी कर्मचारियों, निजी व्यक्तियों और कथित शेल कंपनियों समेत 13 आरोपियों को नामजद किया गया था। जांच एजेंसी का आरोप है कि सभी ने मिलकर सरकारी धन के गबन की साजिश रची और करोड़ों रुपये की राशि का दुरुपयोग किया।

सरकारी खाते से निकाले गए करोड़ों रुपये...जांच के अनुसार, क्रेस्ट के बैंक खातों में जमा सरकारी धन को कथित मिलीभगत के जरिए योजनाबद्ध तरीके से निकाला गया। इसके बाद रकम को विभिन्न बैंक खातों और शेल कंपनियों के माध्यम से ट्रांसफर कर निजी लाभ के लिए इस्तेमाल किया गया। सीबीआई का दावा है कि इस नेटवर्क के जरिए करीब 75.34 करोड़ रुपये की सरकारी राशि का गबन किया गया।

लंबे समय से रडार पर थे अधिकारी...सूत्रों के मुताबिक, नवनीत श्रीवास्तव की भूमिका को लेकर सीबीआई काफी समय से बैंक रिकॉर्ड, वित्तीय दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही थी। पर्याप्त सबूत मिलने के बाद जांच एजेंसी ने उन्हें गिरफ्तार किया।

जांच के घेरे में आ सकते हैं और लोग...सीबीआई का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में कुछ अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आ सकती है। एजेंसी वित्तीय लेन-देन, शेल कंपनियों और धन के प्रवाह की कड़ियों को जोड़ने में जुटी हुई है।

जवाबदेही पर उठे सवाल...करोड़ों रुपये के इस कथित घोटाले ने सरकारी संस्थाओं में वित्तीय निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की नजरें अदालत में होने वाली अगली सुनवाई और सीबीआई की आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं।

बिना नंबर प्लेट दौड़ा रहे थे वाहन, पंचकूला पुलिस ने ठोका 59 हजार रुपये का जुर्माना

कालका/पंचकुला/यूटर्न/17 जून। यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ पंचकूला पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी है। इसी अभियान के तहत कालका क्षेत्र में बिना नंबर प्लेट के वाहन चला रहे दो युवकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुल 59 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया और दोनों वाहनों को इंपाउंड कर लिया। एसीपी ट्रैफिक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सुरजपुर ट्रैफिक थाना प्रभारी अभिषेक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कालका क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान बिना नंबर प्लेट के चल रहे एक स्कूटी और एक मोटरसाइकिल को रोका गया। जांच में यातायात नियमों के कई उल्लंघन सामने आने पर पुलिस ने स्कूटी चालक का 34,500 रुपये तथा बाइक चालक का 24,500 रुपये का चालान किया।

पुलिस ने दोनों वाहनों को तत्काल प्रभाव से इंपाउंड कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि बिना नंबर प्लेट वाले वाहन सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं और कई बार ऐसे वाहनों का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में भी किया जाता है। डीसीपी क्राइम एवं ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने कहा कि पंचकूला पुलिस सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सतर्क है। बिना नंबर प्लेट, मॉडिफाइड वाहनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे वाहन चलाते समय सभी यातायात नियमों का पालन करें, वाहन पर वैध नंबर प्लेट लगाएं और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि स्वयं और दूसरों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और नियम तोड़ने वालों को किसी प्रकार की राहत नहीं दी जाएगी।

चंडीगढ़ पुलिस के जांच अधिकारियों के लिए 'नवीन न्याय संहिता' पर विशेष कार्यशाला आयोजित

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/17 जून। चंडीगढ़ पुलिस के रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर (आरटीसी) में जांच अधिकारियों (इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर्स) के लिए 'नवीन न्याय संहिता' विषय पर दो दिवसीय विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। ये कार्यशालाएं 15 जून और 17 जून 2026 को आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य नए आपराधिक कानूनों के प्रावधानों और प्रक्रियाओं के बारे में अधिकारियों को प्रशिक्षित करना था। 15 जून को आयोजित कार्यशाला

का विषय भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023 रहा, जिसमें 95 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। वहीं 17 जून को आयोजित कार्यशाला भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 पर केंद्रित रही, जिसमें 107 पुलिस अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

दोनों सत्रों में कानूनी विशेषज्ञ एवं अधिवक्ता दीपक बजाज ने रिसोर्स पर्सन के रूप में अधिकारियों को नए कानूनों के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जांच अधिकारियों को नए आपराधिक कानूनों के तहत कानूनी और प्रक्रियागत आवश्यकताओं के प्रति जागरूक करना था, ताकि आपराधिक मामलों की जांच अधिक प्रभावी, पारदर्शी और कानूनसम्मत तरीके से की जा सके। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को भारतीय न्याय संहिता, 2023 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के प्रावधानों के व्यावहारिक क्रियान्वयन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही जांच प्रक्रिया में पेशेवर दक्षता, कानूनी अनुपालन और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों पर विशेष जोर दिया गया।

विदेशों में भी युवाओं को विरसे से जोड़ेगी एसजीपीसी, अमेरिका में अध्यक्ष धामी का जोरदार स्वागत

अमृतसर/यूटर्न/17 जून। अमेरिका दौरे पर गए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का विभिन्न गुरुद्वारा साहिबानों के प्रबंधकों और संगतों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत और सम्मान किया गया। यह प्रतिनिधिमंडल एसजीपीसी अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के नेतृत्व में अमेरिका पहुंचा है। उन्होंने बताया कि एसजीपीसी सिख धर्म के प्रचार-प्रसार, गुरमत सिद्धांतों के प्रसार और युवाओं को अपने विरसे से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कैलिफोर्निया के लैथरॉप स्थित दल बाबा बिधीचंद जी संप्रदा के पड़ाव, दमदमी टकसाल के प्रबंधन वाले गुरुद्वारा गुरमति प्रकाश मंटीका तथा फ्रेस्नो स्थित गुरुद्वारा गुरु नानक प्रकाश

सहित कई धार्मिक स्थलों पर माथा टेका और संगतों के साथ विचार साझा किए। इस अवसर पर स्थानीय प्रबंधकों ने एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुजीत सिंह विरक, मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मन्नन, सदस्य भाई राजिंदर सिंह महिता, ओएसडी सतबीर सिंह और सचिव बलविंदर सिंह काहलवां को विशेष रूप से सम्मानित किया।

सब्जी मंडी जा रहे युवक की गर्दन काटकर बीच सड़क हत्या, हमलावरों ने रास्ते में घेर की वारदात

पंजाब/यूटर्न/17 जून। मानसा में युवक की बीच सड़क पर हत्या कर दी गई। वह तड़के करीब साढ़े 4 बजे सब्जी मंडी के लिए घर से निकला था, लेकिन घर से लगभग 15 मिनट की दूरी पर ही कुछ हमलावरों ने उसे रास्ते में घेर लिया। आरोपियों ने पहले उसे स्कूटी से गिराया और फिर तेजधार हथियारों से उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक के शरीर पर कई गंभीर चोटों के निशान मिले हैं, और वारदात स्थल पर खून के साथ मांस के टुकड़े भी बिखरे पाए गए, जिससे घटना की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज

दिया गया। पुलिस ने आसपास के इलाके की जांच शुरू कर दी है और लोगों से पूछताछ कर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है।

सब्जी मंडी में मुनीम का काम करता था युवक...जानकारी के अनुसार, कस्बा बुढलाडा में गांव दरियापुर खुर्द का रहने वाला राजदीप सिंह (29), जो बुढलाडा की सब्जी मंडी में मुनीम का काम करता था। परिवार के अनुसार, घर से करीब 15 मिनट की दूरी पर ही रास्ते में घात लगाकर बैठे आरोपियों ने उसे घेर लिया।

इसके बाद उसपर हमला कर लिया। तेजधार हथियार से आरोपियों ने उसकी गर्दन काट दी। इसके अलावा उसके शरीर पर कई जगह चोट पहुंचाई। दरियापुर और कुलाना के बीच रेलवे फाटक के पास लोगों ने सड़क पर खून से लथपथ शव पड़ा मिला, इसके बाद उन्होंने परिवार को सूचना की, जिसके बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की।

पंजाबी फिल्म इश्कनामा को लेकर बढ़ी चर्चा, पहली बार साथ नजर आएंगे जय रंधावा और शहनाज गिल

चंडीगढ़/यूटर्न/17 जून। सोमवार को होटल नोवोटेल में भव्य कार्यक्रम में पंजाबी सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'इश्कनामा' का टीजर लॉन्च हुआ; इन दिनों यह फिल्म खास चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म का टीजर लॉन्च होने के बाद दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें पहली बार अभिनेता जय रंधावा और अभिनेत्री शहनाज गिल की जोड़ी बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएगी।

सोमवार को जय रंधावा, शहनाज गिल, सौरभ सचदेवा, अंजुम बतरा, निर्मल निम्मा,धीरज रत्तन सहित फिल्म मेकर अरविंदर सिंह खैरा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि एक्शन, रोमांस और भावनाओं से भरपूर इस फिल्म की कहानी सच्चे प्यार और वास्तविक घटनाओं से प्रेरित बताई है। फिल्म में जय रंधावा 'निम्मा' और शहनाज गिल 'नाज़िमा' के किरदार में दिखाई

देंगे। निर्माण के शुरूआती दौर से ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने वाली इस फिल्म के लिए जय रंधावा ने विशेष शारीरिक परिवर्तन और कड़ी ट्रेनिंग की है, ताकि अपने किरदार को पूरी तरह जीवंत बना सकें। फिल्म के एक खतरनाक एक्शन दृश्य की शूटिंग के दौरान जय रंधावा दुर्घटना का शिकार भी हो चुके हैं, जो उनके काम के प्रति समर्पण और जुनून को दर्शाता है। इसके बावजूद उन्होंने पूरी मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ फिल्म की शूटिंग पूरी की।

भव्य सेटअप और बड़े कैनवास पर बनाई गई इस फिल्म की शूटिंग पंजाब के विभिन्न हिस्सों के अलावा राजस्थान के कई खूबसूरत स्थानों पर भी की गई है। वर्ष 2025 में रिलीज हुई फिल्म इल्लिं के बाद यह वर्ष 2026 में जय रंधावा की पहली पंजाबी फिल्म होगी। 24 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज होने जा रही 'इश्कनामा' के टीजर को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए फिल्म से दर्शकों और उद्योग जगत को काफी उम्मीदें हैं। रोमांस, संगीत और दमदार एक्शन का मिश्रण लिए यह फिल्म पंजाबी सिनेमा के दर्शकों के लिए एक खास सिनेमाई अनुभव साबित हो सकती है।

शादी का झांसा देकर युवती से संबंध बनाने का आरोप, मामला दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/17 जून। जीरकपुर थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने और बाद में विवाह से इनकार करने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी की पहचान डेराबस्सी के स्काई सिटी निवासी जीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस को दी शिकायत में बलटाना स्थित रविंद्रा एन्क्लेव फेस-3 निवासी 25 वर्षीय युवती ने बताया कि वह जीरकपुर में जेपी अस्पताल के सामने स्थित एक खिलौनों की दुकान पर पिछले करीब आठ वर्षों से काम कर रही थी। अगस्त 2025 में जीत सिंह भी उसी दुकान पर नौकरी करने आया था। जनवरी 2026 के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हो गई। पीड़िता के अनुसार आरोपी ने उससे प्रेम का इजहार करते हुए शादी करने का वादा किया। आरोप है कि इसी भरोसे पर उसने कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती का कहना है कि आरोपी उसे नौकरी छोड़कर शादी की तैयारी करने के लिए कहता रहा और भरोसा दिलाता रहा कि वह नौकरी करता रहेगा।

ग्लैमरस अंदाज में नजर आईं लीजा हेडन, तस्वीरों ने बटोरी सुर्खियां

मुंबई/यूटर्न/17 जून। अभिनेत्री और मॉडल लीजा हेडन एक बार फिर अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में सामने आई उनकी पूलसाइड तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। लीजा हेडन ने आकर्षक डिजाइन वाले आउटफिट और स्टेटमेंट नेकपीस के साथ बेहद कॉन्फिडेंट अंदाज में नजर आकर फैशन प्रेमियों को प्रभावित किया। उनकी तस्वीरों पर प्रशंसक लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उनके स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फिटनेस और फैशन के लिए पहचान रखने वाली लीजा हेडन का यह लुक इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस का कहना है कि लीजा हर बार अपने अलग अंदाज से लोगों का दिल जीत लेती हैं।

सुई की नोक पर हीलिंग का साम्राज्य: डॉ. इन्द्रजीत सिंह के 50 सालों की साधना

एक विशेष आलेख – उत्तर भारत में एक्यूपंक्चर चिकित्सा पद्धति के जनक और चीन के प्रतिष्ठित 'WRAJA' पुरस्कार विजेता की जीवन यात्रा

अशोक सहगल

लुधियाना/यूटर्न/17 जून। सन 1975 का दौर याद कीजिए, जब देश में पारंपरिक चिकित्सा के मायने बेहद सीमित थे। उस समय अगर कोई कहता कि शरीर के खास बिंदुओं पर बारीक सुइयाँ चुभाकर असाध्य रोगों का इलाज किया जा सकता है, तो लोग इसे विज्ञान मानने को तैयार नहीं होते थे। लेकिन एक युवा चिकित्सक के इरादे कुछ और ही थे। आज 50 साल के लंबे सफर के बाद, प्रो. डॉ. इन्द्रजीत सिंह (ढींगरा) ने न केवल इस संशय को मिटाया है, बल्कि उत्तर भारत की धरती पर एक्यूपंक्चर का एक मजबूत साम्राज्य खड़ा कर दिया है। लुधियाना में 'सूइयों वाले अस्पताल' के नाम से मशहूर डॉ. डी.एन. कोटनिस एक्यूपंक्चर अस्पताल आज अपने गोल्डन जुबली (50वें) वर्ष में प्रवेश कर चुका है, जिसके पीछे डॉ. सिंह की दिन-रात की कड़ी मेहनत और लंबा संघर्ष है।

□ विश्व स्वास्थ्य संगठन के सेमिनार में उपस्थित को संबोधित करते हुए डॉक्टर ढींगरा

□ डीआर ढींगरा विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रमुख के साथ विचार विमर्श करते हुए

His Excellency Mr. Xu Feihong ambassador, on behalf of the Chinese government, present the Award on "80th Anniversary of the Victory of the Chinese People's War of Resistance Against Japanese Aggression" commemorative medals to the Late Dr. Bijoy Kumar Basu of the Indian Medical Mission that aided Chinese People's War of Resistance Against Japanese Aggression. The Medal was received on his behalf by Dr. Inderjit Singh, his medical heir.

स्कूटर मैकेनिक से देश के शीर्ष एक्यूपंक्चर गुरु बनने का संघर्ष

आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुके डॉ. इन्द्रजीत सिंह का शुरूआती जीवन बेहद कड़े संघर्षों से गुजरा। वे असल में एलोपैथी के डॉक्टर बनने वाले थे और प्री-मेडिकल के बाद उन्हें दिल्ली के प्रतिष्ठित मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में दाखिला भी मिल रहा था। लेकिन उस दौर में ₹25,000 की फीस का इंतजाम न हो पाने के कारण उन्हें वह दाखिला छोड़ना पड़ा। इसके बाद उन्होंने हार नहीं मानी; वे दिन में महज ₹4 के वेतन पर स्कूटर मैकेनिक का काम करते थे और शाम को इवनिंग कॉलेज से ग्रेजुएशन की पढ़ाई करते थे।
इसी बीच, चीन दौरे से लौटे आक्यूपंक्चर विशेषज्ञ डॉ. बासु ने डॉ. इन्द्रजीत के पिता और प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी ज्ञान सिंह ढींगरा को सलाह दी कि वे अपने बेटे को एक्यूपंक्चर की शिक्षा दिलाएं। पिता की प्रेरणा से डॉ. इन्द्रजीत कोलकाता चले गए, जहां उन्होंने कई साल तक इस पद्धति में महारत हासिल की। कोलकाता से लौटकर उन्होंने लुधियाना के घुमार मंडी में एक छोटा सा क्लीनिक खोला। वहां उनके इलाज से 'हरनाम कौर' नामक एक गंभीर गठिया पीड़ित मरीज पूरी तरह ठीक हो गई। इस चमत्कार से अभिभूत होकर उन्होंने इस चिकित्सा पद्धति को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सलेम टाबरी में 2000 गज जमीन दान दे दी। इसी दान की जमीन पर आज 'डॉ. डी.एन. कोटनिस अस्पताल' खड़ा है
इस विद्या की गहराइयों को नापने के लिए डॉ. सिंह ने सीमाओं की परवाह नहीं की। 1984 में वे उन्नत प्रशिक्षण के लिए खुद बीजिंग (चीन) गए, जहाँ उन्होंने पारंपरिक चीनी चिकित्सा के रहस्यों को समझा। इसके बाद 1994 में जापान जाकर 'ह्यूमन एनर्जी सिस्टम' का बारीकी से अध्ययन किया और 1997 में यूनाइटेड किंगडम (यूके) से विशेष एडवांस्ड डिप्लोमा हासिल किए। उन्होंने वैश्विक मंचों पर यह साबित किया कि एक्यूपंक्चर केवल दर्द निवारक नहीं है, बल्कि यह साइटिका, रीढ़ की गंभीर चोटों और ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया (चेहरे का असहनीय दर्द) जैसी न्यूरोलॉजिकल समस्याओं में भी चमत्कारी परिणाम दे सकता है।

जब पंजाब के ड्रग संकट के खिलाफ हथियार बनीं सुइयाँ

अस्पताल की स्थापना के बाद डॉ. सिंह की दूरदर्शिता का सबसे बड़ा उदाहरण तब दिखा, जब उन्होंने एक्यूपंक्चर का रुख समाज की सबसे गंभीर बीमारी नशे की लत' की तरफ मोड़ा।

वैश्विक मंच पर तिरंगे का गौरव और चीन का कायल होना

आज 72 वर्ष की आयु में भी डॉ. सिंह की ऊर्जा किसी युवा जैसी है। वे दो बार अमेरिका, पांच बार यूके, दो बार जापान और ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों का दौरा कर चुके हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करीब 32 रिसर्च पेपर प्रस्तुत कर चुके हैं। 1999 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया में 'प्रोफेसर' के खिताब से भी नवाजा गया। डॉ. सिंह के समर्पण का खुद चीन भी कायल है, जिसके बुलावे पर वे 10 बार वहां जा चुके हैं। कोटनिस अस्पताल के काम की सराहना करने खुद चीन के राजदूत यहां आ चुके हैं। इसी वैश्विक कड़ी में, 26 फरवरी 2026 को जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में आयोजित विश्व स्वास्थ्य संगठन की 158वीं एक्जीक्यूटिव बोर्ड सेशन (158th Executive Board Session) में डॉ. इन्द्रजीत सिंह ने WFAS की ओर से पूरे भारत का गौरवशाली प्रतिनिधित्व किया। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक (Director General) डॉ. टेड्रोस (Dr. Tedros) ने डॉ. सिंह के कार्यों और एक्यूपंक्चर के क्षेत्र में उनके महान योगदान की विशेष रूप से सराहना की। हाल ही में 25 सितंबर 2025 को चीन सरकार ने उन्हें अत्यंत प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय 'हफ्ख्अ' पुरस्कार से नवाजा। सबसे गर्व की बात यह है कि चीन सरकार द्वारा डॉ. इन्द्रजीत सिंह को यह सम्मान उनके महान गुरु डॉ. बिजॉय कुमार बासु के 'आधिकारिक चिकित्सा उत्तराधिकारी' (Medical Heir) के तौर पर दिया गया है।

30 फीसदी तक घटाया जा सकता है स्वास्थ्य बजट का खर्च

मान्यता के लिए एक लंबा और सफल संघर्ष
आक्यूपंक्चर साइंस एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव के रूप में डॉ. सिंह ने इस पद्धति को भारत में सरकारी मान्यता दिलाने के लिए एक लंबा संघर्ष लड़ा है। उनका मानना है कि एक्यूपंक्चर के माध्यम से देश के स्वास्थ्य बजट का खर्च 30 फीसदी तक घटाया जा सकता है। डॉ. सिंह कहते हैं, यह मूल रूप से इंडिया का ही सिस्टम था, जिसे चीन ने वैज्ञानिक तरीके से अपना लिया।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372